हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

एम.एच.डी.-5 : साहित्य सिद्धान्त और समालोचना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रत्येक खण्ड में से **दो-दो** प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है । शेष **एक** प्रश्न का उत्तर किसी भी खण्ड से दिया जा सकता है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

खण्ड क

1. काव्य-लक्षण के संबंध में भारतीय और पाश्चात्य आचार्यों के मतों का निरूपण कीजिए । *20*

2. रस-सिद्धांत की शक्ति और सीमाओं का उल्लेख करते हुए बताइए कि आधुनिक साहित्य के मूल्यांकन में यह कहाँ तक उपयुक्त प्रतिमान सिद्ध हो सकता है । *20*

3. 'औचित्य सिद्धांत अलग से सिद्धांत न हो कर, रस, रीति, ध्वनि आदि सिद्धांत का समन्वय मात्र है ।' इस कथन की व्याख्या कीजिए । *20*

4. शब्द-शक्ति से तात्पर्य बताते हुए उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए । *20*

5. हिंदी आलोचना में डॉ. रामविलास शर्मा के योगदान का मूल्यांकन कीजिए । *20*

खण्ड ख

6. प्लेटो के काव्य सिद्धांतों की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए । *20*

7. कॉलरिज के कल्पना सिद्धांत का विवेचन कीजिए । *20*

8. आई.ए. रिचर्ड्स के मूल्य-सिद्धांत पर प्रकाश डालिए । *20*

9. टी.एस. एलियट के निर्वैयक्तिकता सिद्धांत का विवेचन कीजिए । *20*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×10=20*

(क) प्रतिमा

(ख) अलंकार संप्रदाय

(ग) मनोविश्लेषणवादी आलोचना

(घ) संरचनावादी समीक्षा पद्धति

(ङ) प्रगतिवादी आलोचना